पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों के लिए

क्रमिक पुस्तकमाला

बरखा

समन्वयक – लतिका गुप्ता

प्रकाशक	एन.सी.ई.आर.टी.
प्रकाशन वर्ष	अक्तूबर 2008
शब्द चिह्न	रीडिंग डेवलपमेंट सैल
मूल्य	रु. 400 /- प्रति सैट
ISBN	978-81-7450-898-0 (सैट)
संस्करण	प्रथम
पृष्ठ संख्या	-----
वर्गीकरण	पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों के लिए क्रमिक पुस्तकमाला (40 पुस्तके)
भाषाओं में उपलब्ध	हिन्दी

बरखा
पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों के लिए
क्रमिक पुस्तकमाला

इस पुस्तकमाला का आधारभूत विचार है कि यदि बच्चे शुरू से ही समझ और मज़े के साथ पढ़ें तो वे बहुत ज़ल्दी पढ़ना सीख जाएँगे और सफल पाठक बन पाएँगे। क्रमिक पुस्तकमाला एक शिक्षाशास्त्रीय संसाधन है जिससे पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों को पढ़ना सीखने में मदद मिलेगी और उनमें ज़्यादा से ज़्यादा पढ़ने की ललक जगेगी।

बच्चे पढ़ना कैसे सीखते हैं?

पढ़ने की प्रक्रिया में अनुमान लगाने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पढ़ना सीख रहे बच्चे को शुरू से ही पाठ्यसामग्री में अनुमान लगााकर पढ़ने के अवसर मिलने चाहिए। आमतौर पर ऐसा होता नहीं है। पढ़ी हुई सामग्री को समझकर, उस पर अपनी राय बना पाना तो बहुत दूर की बात है। इसका एक कारण यह है कि हम पढ़ते समय अनुमान लगााने का प्रशिक्षण देने पर कभी ध्यान ही नहीं देते। बल्कि यदि बच्चा अनुमान लगााकर पढ़ने का प्रयास करता है और उसमें कोई गलती करता है तो उसे टोक दिया जाता है। बरखा के तहत यह प्रयास किया गया है कि बच्चों को इस पुस्तकमाला की कहानियों को पढ़ते समय पाठ्यसामग्री के बारे में अनुमान लगाने के भरपूर मौके मिलें। बच्चे अनुमान लगाते समय अपने अनुभवों, व्यावहारिक ज्ञान और भाषा के मौखिक रूप की जानकारी को उपयोग में ला पाएँगे। इसलिए सारी कहानियाँ बच्चों के दैनिक अनुभवों के आधार पर ही रची गई हैं। पढ़ने के कौशल का बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। बच्चों को जब स्वयं पढ़ने के लिए प्रचुर मात्रा में किताबें मिलेंगी तो न केवल उनकी पढ़ने की क्षमता विकसित होगी, बल्कि स्कूली ज्ञान के हरेक क्षेत्र में उनको लाभ मिलेगा।

बरखा की कहानियों का स्वरूप

बरखा में चालीस कहानियाँ हैं जो पाँच कथावस्तुओं और चार स्तरों में विभाजित हैं। स्तरानुसार कहानियों में वाक्यों की संख्या एवं कथानकों की गूढ़ता बढ़ती जाती है। प्रत्येक कथावस्तु में दो मुख्य पात्र हें जिनके द्वारा कहानियाँ प्रस्तुत की गई हैं। जमाल और मदन पड़ोस में रहने वाले दोस्त हैं जो खाने की चीज़ों में बहुत रूचि लेते हें। इसी तरह रमा और रानी दो बहनें हैं जिनके दैनिक जीवन पर आधारित कहानियों में यह बिंदु उभरता है कि बच्चे अपने आस-पास मौजूद हरेक चीज़ और इंसान से बराबर का रिश्ता महसूस करते हैं और उनसे जुड़ी हर छोटी-से-छोटी बात पर ध्यान देते हैं। काजल और माधव भाई-बहन हैं जिनके दृष्टिकोण से हम बच्चों के उस सुख को महसूस कर सकते हें जो उन्हें जानवरों और पक्षियों को देखकर तथा उनके साथ रहकर मिलता है। जीत और बबली के द्वारा बच्चों के विभिन्न तरह के खेल और उनसे जुड़ी हुई मज़ेदार तरकीबों के बारे में पता चलता है। तोसिया और मिली दो सहेलियाँ हैं जो किसी भी सामान्य लड़की की तरह अपने आस-पास की हर चीज़ के बारे में जानना चाहती हैं और उसके टूटने या बिगड़ने की चिंता न करके उसमें खेल के मौके ढूँढ़ लेती हैं।

बरखा की कहानियों के चार स्तर हैं। वाक्य संरचना, शब्दों की संख्या, उपकथानकों की संख्या और गहनता के आधार पर इन कहानियों का स्तर निर्धारित किया गया है। जैसे-जैसे स्तर बढ़ता है, वाक्यों एवं कहानी के उपकथानकों की संख्या बढ़ती जाती है।

पहला स्तर - इस स्तर पर दस कहानियाँ हैं। हरेक कथानक की दो-दो कहानियाँ हैं। कहानियों में हरेक पृष्ठ पर एक चित्र और वाक्य दिया गया है। पूरी कहानी में सिर्फ एक घटना या समस्या उभरती है। वाक्य संरचना में काफी दोहराव है जिससे बच्चों को पढ़ने में मदद मिलती है।

दूसरा स्तर - इस स्तर पर दस कहानियाँ हैं। इसमें भी हरेक कथानक की दो-दो कहानियाँ हैं। कहानियों में प्रत्येक पृष्ठ पर दो वाक्य हैं और शब्दों की संख्या बढ़ा दी गई है। इसमें भी प्रत्येक पृष्ठ पर चित्र दिए गए हैं। वाक्य संरचना में दोहराव है पर पहले स्तर के मुकाबले थोड़ा कम। इस स्तर पर भी कहानियों में एक ही घटना या समस्या का ज़िक्र है।

तीसरा स्तर - पिछले दो स्तरों की तरह इस स्तर पर भी दस कहानियाँ हैं और हरेक कथानक की दो-दो कहानियाँ हैं। कहानियों में हर पृष्ठ पर तीन वाक्य हैं। कहानियों में एक बड़ी घटना के अंदर दो-तीन छोटी घटनाओं का विस्तार किया गया है। नए शब्दों की संख्या दूसरे स्तर के मुकाबले ज्यादा है। इसमें भी हरेक पृष्ठ पर चित्र दिए गए हैं।

चौथा स्तर - इस स्तर की दस कहानियों में हरेक पृष्ठ पर एक चित्र और चार वाक्य हैं। कहानी में दो-तीन छोटे-छोटे कथानक हैं जिससे नए शब्दों की संख्या भी बढ़ गई है। कहानी के कथानकों में दोहराव रखा गया है लेकिन वाक्य संरचना में दोहराव बहुत कम है।

क्रमिक पुस्तकमाला की कहानियाँ

कथावस्तु	पहला स्तर	दूसरा स्तर	तीसरा स्तर	चौथा स्तर	चरित्र
रिश्ते	रानी भी, मुनमुन और मुन्नू	ऊन का गोला, हिच हिच हिचकी	मौसी के मोजे, मेरे जैसी	पीलू की गुल्ली, नानी का चश्मा	**रमा रानी**
पशु-पक्षी	तोता, मिठाई	मोनी, चिमटी का फूल	कूदती जुराबें, तालाब के मज़े	चुन्नी और मुन्नी, मिमी के लिए क्या लूँ?	**काजल और माधव**
वाद्य यंत्र, खेल खिलौने	गिल्ली डंडा, छुपन-छुपाई	जीत की पीपनी, आउट	बबली का बाजा, झूला	चलो पीपनी बनाएँ, तबला	**जीत और बबली**
आस-पास	मजा आ रहा है, मिली का गुब्बारा	हमारी पतंग, शरबत	मिली के बाल, तोसिया का सपना	मिली की साइकिल, पका आम	**तोसिया और मिली**
खाने की चीज़ें	मीठे-मीठे गुलगुले, फूली रोटी	पत्तल, चावल	चाय, गोलगप्पे	गेहूँ, भुट्टा	**जमाल और मदन**